भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद
(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्त परिषद)

वानिकी समाचार

जून 2025 वर्ष 17 सं.06

विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस

- विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस 2025 के अवसर पर, भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में 'मरुस्थलीकरण एवं सूखा निवारण हेतु रणनीतियाँ' शीर्षक से एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला की अध्यक्षता माननीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में की, जबकि केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रमुख उपस्थितगणों में वन महानिदेशक श्री सुशील कुमार अवस्थी; महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. श्रीमती कंचन देवी; अपर महानिदेशक (वन) श्री ए.के. मोहंती; निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं.; और केंद्र एवं राज्य सरकारों के अधिकारी शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा "अरावली जिले" और "सतत भू–प्रबंधन" पर पुस्तकों का भी विमोचन किया गया।

अनुक्रमणिका	पुष्ठ सं.
विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस	01
विश्व पर्यावरण दिवस	02
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	03
मिशन लाईफ	05
महत्वपूर्ण शोध निष्कर्षण	05
कार्यशालाएं/सेमिनार/बैठकें	06
प्रशिक्षण कार्यक्रम	07
वन विज्ञान केन्द्र के अंतर्गत गतिविधियां	08
समझौता ज्ञापन	10
प्रकृति कार्यक्रम	11
जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम	12
प्रदर्शनी में भागीदारी	13
प्रकाशन	14
संस्थानों का दौरा	15
राजभाषा गतिविधियां	15
मानव संसाधन समाचार	16

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर में "शुष्क पारितंत्र प्रणालियों में सतत भू–प्रबंधन" पर कार्यशाला

विश्व पर्यावरण दिवस

- भा.वा.अ.शि.प. (मुख्यालय) तथा इसके संस्थानों और केंद्रों द्वारा दिनांक 5 जून 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इसे एक उत्सव के रूप में, दिनांक 22 मई 2025 से 5 जून 2025 तक भा.वा.अ.शि.प. मुख्यालय, संस्थानों और केंद्रों में वृक्षारोपण गतिविधियाँ और सामूहिक सफाई अभियान भी आयोजित किए गए।

भा.वा.अ.शि.प.(मु.)

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.वि.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.(मु.)

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं.

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

- भा.वा.अ.शि.प. ने अपने संस्थानों और केंद्रों के साथ मिलकर 21 जून 2025 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इस अवसर पर भा.वा.अ.शि.प. ने भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में आयोजित जीवंत योग सत्र में भाग लिया। इस कार्यक्रम में माननीय राज्य मंत्री श्री तोखन सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रतिभागियों में भा.वा.अ.शि.प. और व.अ.सं. के अधिकारी और वैज्ञानिक, भा.व.से. और सी.ए.एस.एफ.ओ.एस. के परिवीक्षार्थी, साथ ही वन अनुसंधान संस्थान डीम्ड विश्वविद्यालय और केंद्रीय विद्यालय के छात्र शामिल थे। सभी भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों में, 'हरित योग' पहल द्वारा उत्सव को और समृद्ध बनाया गया, जिसमें योग अभ्यास को वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियानों के साथ जोड़ा गया, जिससे शारीरिक स्वास्थ्य तथा पर्यावरणीय जिम्मेदारी दोनों को बढ़ावा मिला।

वृक्षारोपण गतिविधियाँ

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.वि.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं.

स्वच्छता अभियान

मिशन लाईफ

भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- दिनांक 3 से 4 जून 2025 तक हैदराबाद और मुलुगु, तेलंगाना में "प्लास्टिक प्रदूषण निवारण" पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में छात्रों और खाद्य विक्रेताओं सहित 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.वि.सं., हैदराबाद द्वारा 'प्लास्टिक प्रदूषण निवारण' पर जागरूकता कार्यक्रम

- दिनांक 17 जून 2025 को 40 एनसीसी कैडेटों के लिए 'रिड्यूस सिंगल यूज प्लास्टिक' पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- भा.वा.अ.शि.प.– तटीय पारितंत्र केंद्र, विशाखापत्तनम ने दिनांक 11 और 17 जून 2025 को आर.के. बीच (beach) और आंध्र विश्वविद्यालय परिसर, विशाखापत्तनम में "जल बचाओ, स्वस्थ जीवन शैली अपनाओ और सिंगल यूज प्लास्टिक को ना कहो" पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

भा.वा.अ.शि.प.–त.पा.कें., विशाखापत्तनम द्वारा 'जल बचाओ, स्वस्थ जीवन शैली अपनाओ और एकल उपयोगी प्लास्टिक को ना कहो' पर जागरूकता कार्यक्रम

महत्वपूर्ण शोध निष्कर्षण

भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- क्षारीय फॉस्फेट (ALP), जो फॉस्फेट चयापचय में शामिल एक प्रमुख एंजाइम है और कोशिकीय विभेदन व कार्यक्षमता का एक संकेतक है, को वाणिज्यिक ALP परख किट का उपयोग करके HSLEO की विभिन्न सांद्रताओं से उपचारित कोशिका के लाइसेट्स में मापा गया। परिणामों ने अनुपचारित नियंत्रण की तुलना में ALP गतिविधि में सांद्रता–निर्भर वृद्धि प्रदर्शित की। उच्चतम एंजाइम गतिविधि 46.79µg/ml पर दर्ज की गई, जिसका मान 6023.70 U/ml था, इसके बाद 23.39 µg/ml पर 5503.88 U/ml और 93.57µg/ml पर 5960.24 U/ml दर्ज की गई। इसके विपरीत, नियंत्रण समूह ने 5184.73 U/ml की न्यून ALP गतिविधि प्रदर्शित की। इन निष्कर्षों से पता चलता हैं कि HSLEO, ALP गतिविधि को उत्तेजित करता है।

- भाप आसवन विधि का उपयोग करके *स्किमिया लॉरियोला* की पत्तियों से सांध तेल निकाला गया और उपज 0.489% ± 0.007 (w/w) दर्ज की गई। इस आवश्यक तेल की एंटीऑक्सीडेंट क्षमता का मूल्यांकन DPPH फ्री रेडिकल स्कैवेंजिंग परीक्षण, ABTS मूलक धनायन रंग–विघटन परीक्षण और अपचायक शक्ति परीक्षण का उपयोग करके किया गया। परिणामों से पता चलता है कि आवश्यक तेल ने संदर्भ मानक, यानी एस्कॉर्बिक अम्ल की तुलना में मध्यम एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि प्रदर्शित की। DPPH परीक्षण के

लिए आवश्यक तेल का IC_{50} मान 450 µg/mL पाया गया, जबकि एस्कॉर्बिक अम्ल का IC_{50} मान 6.18 µg/mL दर्ज की गई। ABTS परीक्षण में, आवश्यक तेल का IC_{50} मान 12,413 µg/mL दर्ज था, जबकि एस्कॉर्बिक अम्ल के लिए यह मान 57.75 µg/mL था।

भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- असम के काष्ठ उद्योग में 143 आरा मिलें, 25 प्लाईवुड/पैनल उद्योग और 2 विनियर इकाइयाँ शामिल हैं। काष्ठ की वार्षिक माँग न्यूनतम 1,773.00 हज़ार घन मीटर से लेकर अधिकतम 2,955.00 हज़ार घन मीटर तक रहती है। इस भारी माँग के विपरीत, असम में सभी स्रोतों से कुल अनुमानित वार्षिक काष्ठ की आपूर्ति मात्र 380,394.23 घन मीटर है।
- मेघालय वन विभाग के लिए 150 लीटर पादप वृद्धि संवर्धक राइजोबैक्टीरिया तैयार किए और क्षेत्रीय कर्मचारियों के साथ मिलकर पादप वृद्धि संवर्धक राइजोबैक्टीरिया का प्रयोग भी किया गया।
- प्राकृतिक उत्पादों की छाल के अर्क का उपयोग करके दो हर्बल घाव भरने वाले जैल तैयार किए गए। इन फार्मूलों का मूल्यांकन विस्टार चूहों में किये गये प्रयोग के माध्यम से किया गया। इस जैल ने घाव भरने की प्रक्रिया के सभी चरणों, जैसे सूजन, प्रसार और पुनः संरचना शामिल है, को उल्लेखनीय रूप से तीव्र करके उल्लेखनीय प्रभावकारिता प्रदर्शित की।

कार्यशालाएं/सेमिनार/बैठकें

भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

01	सतत सामग्री एवं जैव संसाधन एकीकरण: प्रौद्योगिकी एवं पारंपरिक ज्ञान का समन्वय पर 12वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	14 से 15 जून 2025	वैज्ञानिकों, अधिकारियों और शोधार्थियों सहित 150 प्रतिभागी
02	भारत में सतत कृषि वानिकी के लिए चंदन की खेती को बढ़ावा देना	30 जून 2025	भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला के वैज्ञानिकों, तकनीकी कर्मचारियों, शोधकर्ताओं सहित 20 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा 'सतत सामग्री एवं जैव संसाधन एकीकरण, प्रौद्योगिकी एवं पारंपरिक ज्ञान का सेतुबंधन' पर सम्मेलन

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा "भारत में सतत कृषि वानिकी के लिए चंदन की खेती को बढ़ावा" पर कार्यशाला

भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर			
03	प्लास्टिक प्रदूषण निवारण और सतत् अपशिष्ट प्रबंधन	04 जून 2025	भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं.,जबलपुर के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और क्षेत्रीय अनुसंधान कर्मचारियों सहित 50 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.– वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून			
01	काष्ठ लेपन/परतन	16 से 20 जून 2025	विभिन्न काष्ठ उद्योगों से 13 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून द्वारा "काष्ठ लेपन/परतन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.– उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर			
02	वानिकी प्रजातियों का गुणवत्तापूर्ण पौध उत्पादन एवं कृषि वानिकी प्रबंधन	02 से 06 जून 2025	वन विभाग महाराष्ट्र से 20 प्रतिभागी
03	प्रकाष्ठ और गैर–प्रकाष्ठ प्रजातियों का कैंडिडेट प्लस वृक्ष चयन	09 से 13 जून 2025	छत्तीसगढ़ वन विभाग से 18 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा "वानिकी प्रजातियों के गुणवत्तापूर्ण पौध उत्पादन एवं कृषि वानिकी प्रबंधन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा "प्रकाष्ठ और गैर–प्रकाष्ठ प्रजातियों के कैंडिडेट प्लस वृक्ष चयन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.– वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट			
04	पौधशाला, वृक्षारोपण तकनीक एवं कृषि वानिकी (दो प्रशिक्षण)	02 से 04 एवं 11 से 13 जून 2025	शिवसागर और गोलाघाट, असम के मेरापानी क्षेत्र के कृषकों तथा उद्यमियों सहित 40 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं.,जोरहाट द्वारा "पौधशाला, वृक्षारोपण तकनीक एवं कृषि वानिकी" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.– वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद			
05	*मधुका लोंगिफोलिया* का आनुवंशिक सुधार एवं मूल्यवर्धन	17 जून 2025	राज्य वन अकादमी, हैदराबाद से 60 प्रतिभागी
भा.वा.अ.शि.प.– काष्ट विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू			
06	राल निर्माण तथा प्लाईवुड निर्माण	02 से 06 जून 2025	प्लाईवुड उद्योग से 15 प्रतिभागी
07	काष्ठ विज्ञान एवं तकनीक	09 से 20 जून 2025	वानिकी महाविद्यालय, एस.एच.यू.ए.टी.एस., प्रयागराज के 50 छात्र
08	चंदन काष्ठ पौधशाला तकनीक	17 जून 2025	30 कृषक
09	प्लाईवुड तथा ब्लाक बॉर्ड का परीक्षण	23 से 27 जून 2025	काष्ठ आधारित उद्योगों से प्रतिभागी

वन विज्ञान केंद्र के तहत गतिविधियां

भा.वा.अ.शि.प.– उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- दिनांक 20 जून 2025 को इंदौर वन विभाग के 46 क्षेत्रीय कर्मचारियों हेतु वन विज्ञान केंद्र, इंदौर में 'उन्नत वानिकी अनुसंधान' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- दिनांक 2 और 3 जून 2025 को वन विज्ञान केंद्र, लोंगानी, धरमपुर (मंडी) और व.वि.कें., जगतसुख, मनाली, हिमाचल प्रदेश में 'वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण निवारण' विषय पर सफाई अभियान चलाया गया। व.वि.कें. लोंगानी के कर्मचारियों और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जगतसुख, मनाली के छात्रों सहित 48 प्रतिभागियों को पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरे को कम करने के बारे में शिक्षित किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला ने वन विज्ञान केंद्र, जगतसुख, मनाली (हिमाचल प्रदेश) में सफाई अभियान चलाया

भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- दिनांक 24 से 26 जून 2025 तक 'अवक्रमित शुष्क भूमि का पुनर्वनीकरण' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वन विभाग, राजस्थान के 36 किसानों और क्षेत्रीय अधिकारियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- दिनांक 10 जून 2025 को वन विज्ञान केंद्र, जदुआ, हाजीपुर, बिहार में 'वर्मीकंपोस्टिंग तकनीक और विधियाँ' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वैशाली, बिहार के लगभग 50 किसानों ने इसमें भाग लिया और कृमिखाद उत्पादन पर जानकारी प्राप्त की।

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची द्वारा व.वि.कें., जड़ुआ, हाजीपुर, बिहार में "वर्मीकम्पोस्टिंग तकनीक और विधियां" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

- दिनांक 18 जून 2025 को प्रदर्शन ग्राम, अंगारा ब्लॉक, रांची, झारखंड में 'वन्य फलों के मूल्य संवर्धन' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिदु गांव के 25 किसानों ने भाग लिया और उन्हें स्थानीय वन क्षेत्रों से एकत्रित वन्य फलों के उपयोग और प्रसंस्करण के बारे में जानकारी दी गई।

भा.वा.अ.शि.प–व.उ.सं., रांची द्वारा प्रदर्शन ग्राम, अंगारा ब्लॉक, रांची में "वन्य फलों के मूल्य संवर्धन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

- दिनांक 25 जून 2025 को वन विज्ञान केंद्र, सुकना, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल में 'अकाष्ठ वन उत्पाद संग्रहण, मूल्य संवर्धन एवं विपणन' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दामरा ग्राम, सुकना, दार्जिलिंग के किसानों और हितधारकों सहित 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प–व.उ.सं., रांची द्वारा वीवींके, सुकना, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल में "अकाठ वन उत्पाद संग्रह, मूल्य संवर्धन और विपणन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

- दिनांक 19 जून 2025 आई.सी.ए.आर.–कृषि विज्ञान केंद्र, चिंतामणि, चिक्काबल्लापुर में 'चंदन आधारित कृषि वानिकी मॉडल और इसके स्वास्थ्य प्रबंधन' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 100 कृषकों ने इस कार्यक्रम ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा आई.सी.ए.आर.–कृ.वि.कें., चिंतामणि, चिक्कबल्लापुर में "चंदन आधारित कृषि वानिकी मॉडल और इसके स्वास्थ्य प्रबंधन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

- दिनांक 26 जून 2025 को आई.सी.ए.आर.–सी.ए.आर.आई.–कृषि विज्ञान केंद्र, उत्तरी गोवा में "बांस पौधशाला प्रबंधन एवं मूल्य संवर्धन" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उत्तरी गोवा के वन विभाग के किसानों और अधिकारियों सहित 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

आई.सी.ए.आर.–सी.सी.ए.आर.आई.–कृ.वि.कें., उत्तरी गोवा में भा.वा.अ.शि.प–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा "पौधशाला प्रबंधन एवं बांस के मूल्य संवर्धन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

समझौता ज्ञापन

- भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद ने दिनांक 12 जून 2025 को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद–भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए ताकि दोनों संस्थानों के अधिदेशों के अनुरूप नई अनुसंधान पहलों और नवीन प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा दिया जा सके।

भा.वा.अ.शि.प–व.जै.वि.सं., हैदराबाद और सी.एस.आई.आर.–आई.आई.सी.टी., हैदराबाद के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

- भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने दिनांक 26 जून 2025 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान, विस्तार और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

प्रकृति कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.– वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने दिनांक 5 जून 2025 को पोकामुरा उच्च माध्यमिक विद्यालय, पोकामुरा, जोरहाट में 280 छात्रों हेतु पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान उन्हें 'प्लास्टिक प्रदूषण निवारण' के बारे में जागरूक किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट ने पोकामुरा उच्च माध्यमिक विद्यालय, पोकामुरा, जोरहाट में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया

- भा.वा.अ.शि.प.–बांस एवं रतन केंद्र, आइज़ॉल ने दिनांक 26 और 27 जून 2025 को केंद्रीय विद्यालय, लुंगलेई और जवाहर नवोदय विद्यालय, थिंगसुलथलिया, मिज़ोरम में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में कुल 250 छात्रों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

- मित्रा अकादमी, अरेकेरे, बेनरघट्टा रोड, बेंगलुरु के शिक्षकों के साथ 170 छात्रों ने दिनांक 16 से 17 जून 2025 तक भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु के पौधशाला, काष्ठ संग्रहालय, उन्नत काष्ठ कार्य प्रशिक्षण केंद्र और तकनीकी प्रदर्शन केंद्र का दौरा किया। छात्रों को संस्थान की विभिन्न अनुसंधान एवं विकासात्मक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

मित्रा अकादमी, अरेकेरे, बेंगलुरु के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.– वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- विबग्योर सी.बी.एस.ई. हाई स्कूल, कोयंबटूर के 52 छात्रों और शिक्षकों ने दिनांक 12 जून 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु के गैस वन संग्रहालय का दौरा किया। इस दौरान 'वनों की कटाई और उसके प्रभाव' पर एक व्याख्यान भी दिया गया।

विब्ग्योर सी.बी.एस.ई. हाई स्कूल, कोयंबटूर के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर का दौरा किया

जागरूकता और प्रदर्शन कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.– उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- बालाघाट वन विद्यालय, मध्य प्रदेश वन विभाग के 45 क्षेत्रीय वन अधिकारियों ने दिनांक 21 जून 2025 को भा.वा.अ.शि.प. –उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर का दौरा किया। उन्हें संस्थान की विभिन्न अनुसंधान एवं विकासात्मक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

बालाघाट वन विद्यालय मध्य प्रदेश वन विभाग के वन रेंज अधिकारियों ने भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.– शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के 47 छात्रों ने संकाय सदस्यों के साथ दिनांक 10 जून 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–, जोधपुर का दौरा किया। छात्रों को "जनजातीय क्षेत्रों में पर्यावरण जागरूकता" पर व्याख्यान भी दिया गया।

भा.वा.अ.शि.प.– वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- जगन्नाथ बरूआ विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम के 29 छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट द्वारा दिनांक 11 से 12 जून 2025 तक आयोजित सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम में भाग लिया। उन्हें बांस की खेती, प्रसार, पौधशाला प्रबंधन, मूल्य संवर्धन, संरक्षण तकनीक, बांस चारकोल निर्माण, लाख की खेती, वर्मीकंपोस्टिंग, अगर रोपण और संस्थान की अन्य अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

जगन्नाथ बरूआ विश्वविद्यालय जोरहाट के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प. –व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया

- भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने दिनांक 18 जून 2025 को पूर्वी सिक्किम के क्योंगनासला अल्पाइन अभयारण्य में 'सिक्किम में *रोडोडेंड्रोन निवेम* के महत्व एवं संरक्षण' पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में सिक्किम के ए.सी.एफ., रेंज अधिकारियों, अग्रिम पंक्ति के वन कर्मचारियों, स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों और पर्यावरण विकास समितियों के सदस्यों सहित 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा 'सिक्किम में रोडोडेंड्रोन निवेम का महत्व एवं संरक्षण' पर जागरूकता कार्यक्रम

- दिनांक 25 जून 2025 को कृषि वानिकी केंद्र, शिवसागर, असम के किसानों तथा वैज्ञानिकों सहित 27 प्रतिभागियों ने बांस संग्रहालय एवं व्याख्या केंद्र, बांस पौधशाला, बांस वाटिका, भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट की बांस चारकोल इकाई का दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प.– वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

दून बॉस्को कृषि महाविद्यालय, रानीपेट जिला, तमिलनाडु, आर.वी.एस. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, कोयंबटूर और एस.आर.एस. कृषि एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, वेदसांदर, डिंडीगुल के 250 छात्रों ने दिनांक 24 और 27 जून 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर के गैस वन संग्रहालय का दौरा किया। इस दौरान उन्हें 'पर्यावरण संरक्षण एवं ग्रीन हाउस गैसें' पर व्याख्यान भी दिया गया।

तमिलनाडु के दून बॉस्को कृषि महाविद्यालय के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., कोयंबटूर का दौरा किया

प्रदर्शनी में भागीदारी

- भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने दिनांक 19 जून 2025 को रांची, झारखंड में केंद्रीय रेशम अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रिस्का नगरी, रांची, झारखंड द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय टसर रेशम कृषि मेला" में भाग लिया तथा तकनीकियों का प्रदर्शन किया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची ने केंद्रीय रेशम अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में 'राष्ट्रीय टशर रेशम कृषि मेला' पिस्का नगरी, रांची, झारखंड में भाग लिया।

- भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु ने कर्नाटक के बेलगावी में दिनांक 11 से 13 जून 2025 तक प्रयास इवेंट्स एंड एक्जिबिशन द्वारा आयोजित 'विजन कर्नाटक– 2025' प्रदर्शनी में भाग लिया। का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने प्रदर्शनी के दौरान अपनी तकनीकों का प्रदर्शन किया।

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने बेलगावी, कर्नाटक में 'विज़न कर्नाटक–2025' भाग लिया

प्रकाशन

अनुसंधान पत्र

- कुमारी, ए. और तपवाल, ए. (2025)। *गैनोडर्मा ल्यूसिडम* से सवंर्धित किए गए *सेनेगलिया कैटेचू* के पौधों में रोग की गंभीरता का आकलन। जर्नल ऑफ प्लांट पैथोलॉजी। https://doi.org/10.1007/s42161-025-01950-x.
- खनाल, एस., ठाकुर, पी., शर्मा, ए., कुमार, ए., पिल्लई, एम., कुमार, डी., कुमार, ए., वर्मा, आर., तपवाल, ए., कुमार, डी., कुमार, वी. और बाला, ए. (2025). *गैनोडर्मा ल्यूसिडम* में जैवसक्रिय यौगिकों की चिकित्सीय क्षमता का उद्घाटनः प्राकृतिक चिकित्सा में एक नया आयाम। 3 बायोटेक 15, 203. https://doi.org/10.1007/s13205-025-04353-y.
- नेगी, पी. एस. और शर्मा, एस. (2025). *बेटुला यूटिलिस* डी. डॉन के बीज अंकुरण प्रक्रिया और पौध शक्ति सूचकांक पर जिबरेलिक अम्ल की विभिन्न सांद्रताओं का प्रभाव. एनाल्स ऑफ़ एरिड ज़ोन, 64(2):199–204.
- लता, एस. और निशा (2025)। भारत के हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के बाह्य सेराज क्षेत्र में उच्च ढाल पर वनस्पति संरचना एवं संघटन। जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च एंड रिपोर्ट्स, 31(6): 317–348। (नास रेटिंग=5.1)
- लता, एस. और निशा (2025)। उत्तर पश्चिमी हिमालय के बाह्य सेराज क्षेत्र में पादप प्रजातियों और आवासों के संरक्षण को प्राथमिकता देना। जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च एंड रिपोर्ट्स, 31(6): 521–537। (नास रेटिंग=5.17)।

सारः

- ठाकुर, एन. और तपवाल, ए. (2025)। चांदी और तांबे के नैनोकणों का पादप–मध्यस्थ संश्लेषण और पादप–रोगजनक कवकों के विरुद्ध उनकी रोगाणुरोधी सक्रियता। हिम विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा दिनांक 14–15 जून, 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयी वन अनुसंधान संस्थान, शिमला, भारत में आयोजित 12वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'सस्टेनेबल मटेरियल्स एंड बायो रिसोर्स इंटीग्रेशनः ब्रिजिंग टेक्नोलॉजी एंड ट्रेडिशनल नॉलेज' में प्रस्तुत।
- सिंह, पी. और कुमार, पी. (2025)। प्रयोगशाला परिस्थितियों में *क्लोस्टेराक्यूप्रिएटा* (बटलर) (*लेपिडोप्टेराः नोटोडोंटिडे*) के विरुद्ध कीटजन्य सूत्रकृमियों की रोगजनकता। प्रयोगशाला परिस्थितियों में (बटलर) (*लेपिडोप्टेराः नोटोडोंटिडे*) पर 12वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत। हिम विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा दिनांक 14–15 जून, 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयी वन अनुसंधान संस्थान, शिमला, भारत में आयोजित 12वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'सस्टेनेबल मटेरियल्स एंड बायो रिसोर्स इंटीग्रेशनः ब्रिजिंग टेक्नोलॉजी एंड ट्रेडिशनल नॉलेज' में प्रस्तुत।
- वर्मा, एस.जी. और कुमार, पी. (2025)। कीट परागणकों का आकलन विविधताः शिकारी देवी वन्यजीव अभयारण्य, हिमाचल प्रदेश से एक केस स्टडी। दिनांक 14–15 जून, 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयी वन अनुसंधान संस्थान, शिमला, भारत में हिम विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'सस्टेनेबल मटेरियल्स एंड बायो रिसोर्स इंटीग्रेशनः ब्रिजिंग टेक्नोलॉजी एंड ट्रेडिशनल नॉलेज' पर 12वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत।
- शर्मा, एन. और कुमार, पी. (2025)। शिमला, हिमाचल प्रदेश के मिश्रित शंकुधारी वनों में मैक्रो–मॉथ (कीटः लेपिडोप्टेरा) की वर्गिकी संरचना, विविधता और वितरण का लक्षण निर्धारण। दिनांक 14–15 जून, 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला, भारत में हिम विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा आयोजित सतत सामग्री एवं जैव संसाधन एकीकरणः तकनीकी तथा पारंपरिक ज्ञान को जोड़ने वाले 12वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत।
- सद्दाम, बी. और कुमार, पी. (2025)। हिमाचल प्रदेश, भारत के सिकाडा की जैव विविधता और पारितंत्र में उनकी भूमिका। भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयी वन अनुसंधान संस्थान, शिमला, भारत में दिनांक 14–15 जून, 2025 को हिम विज्ञान कांग्रेस द्वारा आयोजित सतत सामग्री एवं जैव संसाधन एकीकरणः तकनीकी तथा पारंपरिक ज्ञान के बीच सेतु निर्माण पर 12वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत।
- रावत, पी., शर्मा, एस., शर्मा, पी. और वर्मा, जी.एस. (2025)। हिमाचल प्रदेश में पशुधन उत्पादन के लिए चारे की उपलब्धता और गुणवत्ता में सुधार हेतु चारा बैंकों की स्थापना और भंडारण तकनीकें। हिम विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला, हिमाचल प्रदेश, भारत के सहयोग से आयोजित एच.एस.सी.ए. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
- लता, एस. और गुलशन, के.आर. (2025)। हिमाचल प्रदेश, भारत के रूपीभाबा वन्यजीव अभयारण्य के मूल निवासियों की नृजातीय औषधिय प्रथाएँ। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान द्वारा हिम विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन, हिमाचल प्रदेश के सहयोग से आयोजित 'सस्टेनेबल मटेरियल्स एंड बायो रिसोर्स इंटीग्रेशनः ब्रिजिंग टेक्नोलॉजी एंड ट्रेडिशनल नॉलेज' पर 12वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की सार पुस्तक में

प्रकाशित। लता, एस. और लाल, सी. (2025)। *रोडोडेंड्रोन कैम्पैनुलैटम* डी. डॉन की पादपरासायन विविधता और संरक्षण परिप्रेक्ष्यः पश्चिमी हिमालय का एक उच्च प्रणवता वाला औषधीय भंडार। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान द्वारा हिम विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन, हिमाचल प्रदेश के सहयोग से आयोजित 'सस्टेनेबल मटेरियल्स एंड बायो रिसोर्स इंटीग्रेशनः ब्रिजिंग टेक्नोलॉजी एंड ट्रेडिशनल नॉलेज' पर 12वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की सार पुस्तक।

- लता, एस. और निशा (2025)। भारत के हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के बाहरी सेराज क्षेत्र में ऊँचाई के अनुरूप वनस्पति की संरचना और संघटन। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान द्वारा हिम विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन, हिमाचल प्रदेश के सहयोग से आयोजित 'सस्टेनेबल मटेरियल्स एंड बायो रिसोर्स इंटीग्रेशनः ब्रिजिंग टेक्नोलॉजी एंड ट्रेडिशनल नॉलेज' विषय पर 12वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की सार पुस्तक में प्रकाशित।

- नेगी, पी. एस. और शर्मा, एस. (2025)। *बेतुला यूटिलिस* डी. डॉन के बीज अंकुरण व्यवहार और पौध शक्ति सूचकांक पर बीज संग्रह के समय का प्रभावः – शीतोष्ण हिमालयी क्षेत्र का एक बहुउद्देशीय वृक्ष। हिम विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला के सहयोग से आयोजित 'सस्टेनेबल मटेरियल्स एंड बायो रिसोर्स इंटीग्रेशनः ब्रिजिंग टेक्नोलॉजी एंड ट्रेडिशनल नॉलेज' विषय पर 12वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत।

संस्थानों का दौरा

- श्रीमती कंचन देवी, भा.व.से. महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. ने दिनांक 08 जून 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर में प्रयोगशाला, पौधशाला सुविधाओं का निरीक्षण किया तथा लखनादौन के नगर वन क्षेत्र में हल्दीना और तूना के पौधे लगाए।

श्रीमती कंचन देवी, भा.व.से., महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने लखनादौन में नगर वन में हल्दीना और टूना का पौधारोपण स्थापित किया

- श्री धर्मेंद्र प्रकाश, भा.व.से., पी.सी.सी.एफ. और एच.ओ.एफ. एफ., नागालैंड ने दिनांक 03 जून 2025 को वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट का दौरा किया। उन्होंने संस्थान की अनुसंधान और विकास गतिविधियों की समीक्षा की।

श्री धर्मेंद्र प्रकाश, आई.एफ.एस., पी.सी.सी.एफ. और एच.ओ.एफ. एफ., नागालैंड ने भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया

राजभाषा गतिविधियां

- दिनांक 19 जून 2025 को श्रीमती उर्मिला हरित, निदेशक (राजभाषा), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा भा.वा.अ.शि.प. मुख्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर उप महानिदेशक (विस्तार) डॉ. सुधीर कुमार, भा.वा.अ.शि.प. सहित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। निरीक्षण गतिविधियों के अंतर्गत, कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के कार्यान्वयन एवं प्रचार–प्रसार को प्रदर्शित करने हेतु एक राजभाषा प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

श्रीमती उर्मिला हरित, निदेशक (राजभाषा), पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा भा.वा.अ.शि.प. (मुख्यालय) का राजभाषा निरीक्षण किया गया

- भा.वा.अ.शि.प. मुख्यालय ने दिनांक 25 जून 2025 को श्रीमती कंचन देवी, भा.व.से., महानिदेशक की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक आयोजित की। बैठक में सभी संस्थानों के राजभाषा प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान 'तरुचिंतन–2025' का भी विमोचन किया गया।

भा.वा.अ.शि.प. (मुख्यालय) द्वारा 'राजभाषा कार्यान्वयन समिति' पर त्रैमासिक बैठक

- भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर ने दिनांक 26 जून 2025 को राजभाषा त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अधिकारियों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और संस्थान के अधिकारियों सहित 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा दिनांक 23 जून 2025 को आयोजित कार्यशाला में भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला के छात्रों सहित 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उन्हें हिंदी भाषा के बारे में जागरूक किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा हिंदी कार्यशाला का आयोजन

मानव संसाधन समाचार

सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	दिनांक
डॉ. एन.के. उप्रेती, वैज्ञानिक–जी भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून	30.06.2025
श्री वेदपाल सिंह, वैज्ञानिक–ई भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून	30.06.2025
श्री प्रीतपाल सिंह, व.रें.अ. भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून	30.06.2025

प्रत्यावर्तन

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्रीमती दीप शिखा शर्मा, भा.व.से., (एजीएमयूटी:2011) जि.व.सं., भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला	20.06.2025

पदोन्नति

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री नीरज कुमार गुप्ता, अवर सचिव, भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर	20.06.2025

संरक्षक:
श्रीमती कंचन देवी, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प, देहरादून
संपादक मंडल:
डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
डॉ. विश्वजीत शर्मा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, सदस्य
हिन्दी संस्करण:
श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), सदस्य
सहायक:
श्री प्रिंस, तकनीकी सहायक (मीडिया एवं विस्तार)

प्रत्याख्यान:
- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।